

वॉल स्ट्रीट का स्टॉक

वॉल स्ट्रीट सागा का परिचय

मुझे वह दिन कभी नहीं भूलेगा जब मैंने बोर्डिंग स्कूल में प्रवेश किया।

यह 15 अक्टूबर 1970 था। एक गुरुवार।

इस अवसर के लिए मेरे पिता वहाँ थे। उन्होंने गिलेट से एक दोपहर की छुट्टी माँगी थी, जो शायद ही कभी होता था। पीछे मुड़कर देखता हूँ तो समझ आता है कि वे केवल एक बच्चे को स्कूल छोड़ने नहीं आए थे। वे गिलेट की कहानी का एक छोटा-सा टुकड़ा उस दुनिया में पहुँचा रहे थे जिसे हम दोनों में से कोई अभी तक समझ नहीं सकता था।

एक युवा नन, सिस्टर ज्युज़ेप्पिना, मुझसे मिलने आई।

गोरी त्वचा, नीली आँखें, युवा चहरा। बाकी सब कुछ घूँघट में छिपा था। उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे कक्षा 1ए में ले गईं जहाँ मेरी शिक्षिका, सिस्टर डोमिनेल्ला, प्रतीक्षा कर रही थीं।

सिस्टर डोमिनेल्ला पहले से ही बूड़ी थीं।

वे लगातार अपने घुटने मलती रहती थीं और आश्चर्यजनक आत्मविश्वास के साथ बारिश की भविष्यवाणी करती थीं। उनके अनुसार, मौसम उनके जोड़ों के भीतर रहता था। अगर उनके घुटनों में दर्द होता, तो बादल आने वाले होते।

जब मैं कक्षा में दाखिल हुआ, वे पहले से ही मेरा नाम जानती थीं। असल, सभी जानते थे। खबरें उन दीवारों के भीतर तेज़ी से फैलती थीं। मुझसे पहले ही श्रद्धांजलियां पहुँच चुकी थीं।

हर कमरे में एक ही उपहार था: सादे प्लास्टिक बैग, जिन पर 1970 के दशक का लाल गिलेट लोगो, जो सिर्फ़ रेज़र ब्लेड की तस्वीरों से सजा था।

मैं इसे समझने के लिए बहुत छोटा था, लेकिन मैं पहले ही एक ऐसी कंपनी का छोटा राज़दूत बन चुका था जो मेरे पूरे जीवन भर मेरे साथ रहने वाली थी।

पहला पाठ था — कर्म के बारे में। अच्छे कर्म।

छह साल की उम्र में, यह काफ़ी सरल लगता था। अच्छा कर्म अच्छा था। बुरा कर्म बुरा था। बात खत्म।

लेकिन जीवन की, हमेशा की तरह, अपनी अलड़ योजनाएं थीं।

कुछ साल बाद मुझे पता चला कि कर्मों का मूल्यांकन कभी इस बात से नहीं होता कि वे क्या हैं। उनका मूल्यांकन उन कहानियों से होता है जो उन्हें घेरे रहती हैं।

किसी को एक टॉफी दो और वह एक भला काम बन जाती है। उसी टॉफी का किसी और मकसद के लिए इस्तेमाल करो, और अचानक वह एक बुरा काम बन जाती है। कर्म वही रहता है। सिर्फ कथा बदल जाती है।

यही मेरे जीवन का पहला असली पाठ था। नैतिकता नहीं। धर्म नहीं। अनुशासन नहीं। कथा। वह अजीब शक्ति जो एक जैसे तथ्यों को विपरीत अर्थों में बदल देती है।

दशकों बाद, गिलेट मुझे बोस्टन ले आई। दुनियाभर के सहकर्मियों के साथ, मैं आखिरकार उस वित्तीय राजधानी में खड़ा होने वाला था जिसका सपना बोर्डिंग स्कूल के बच्चे कभी नहीं देखते: न्यूयॉर्क।

वॉल स्ट्रीट के बिल्कुल करीब भी।

लेकिन वह एक और कहानी है। वह कहीं और पहले ही लिखी जा चुकी है, और मुझे कभी सिर्फ साहित्यिक जगह भरने के लिए खुद को दोहराना पसंद नहीं रहा।

फिर भी, एक विचार बचा रहता है।

लोगों को हमेशा उनके कर्मों के लिए याद किया जाता है। कुछ कर्म कहानियाँ बन जाते हैं। कुछ कहानियाँ इतिहास बन जाती हैं।

और अगर वे कर्म संयोगवश कागज़ पर लिखे जाएं, व्यापार किए जाएं, मूल्यांकित हों, खरीदे-बेचे जाएं, और रोज़ उद्धृत किए जाएं... तो आखिर उन्हें कौन भूल पाएगा?

Ferdinando Frega

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com